


---

---

---

---

---

---

---

---

**The Coming Kingdom**  
Chapter 15



**Dr. Andy Woods**

Senior Pastor – Sugar Land Bible Church  
President – Chafer Theological Seminary

---

---

---

---


---

---


---

---

**Kingdom Study Outline**



- 1. What does the Bible Say About the Kingdom?**
2. The Main Problem with Kingdom Now NT interpretations
3. Why do some believe that we are in the kingdom now?
4. Why does it matter?



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1. Kingdom Throughout the Bible

1. Eden	6. Old Testament Prophets
2. Abrahamic Covenant	7. Post exile
3. Mosaic Covenant	8. Offer of the King / Kingdom
4. Divided Kingdom	9. Rejection of the Offer
5. Times of the Gentiles	10. Interim Age



---

---

---

---

---

---

---

---

### 1. Kingdom Throughout the Bible

11. Kingdom Mysteries	15. Transfer of Kingdom Authority
12. Church	16. Kingdom Establishment
13. Israel's Discipline & Restoration	17. <u>Eternal State</u>
14. Re-offer of the King/Kingdom	18. Testimony of Early Church History



---

---

---

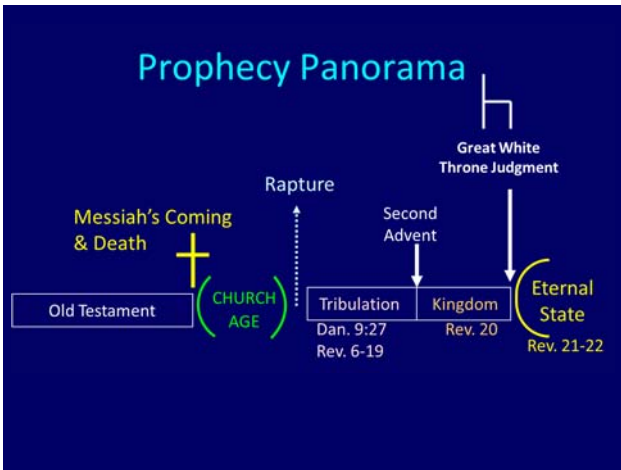
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**The Eternal State**  
Rev. 21-22

1. After Theocratic Administrator Restoration
2. New Creation & Not Renovation
3. Eternal State's Literal Nature
4. Continuation of the Davidic Throne
5. Eternal State's Description




---

---

---

---

---

---

---

---

**The Eternal State**  
Rev. 21-22

1. After Theocratic Administrator Restoration
2. New Creation & Not Renovation
3. Eternal State's Literal Nature
4. Continuation of the Davidic Throne
5. Eternal State's Description




---

---

---

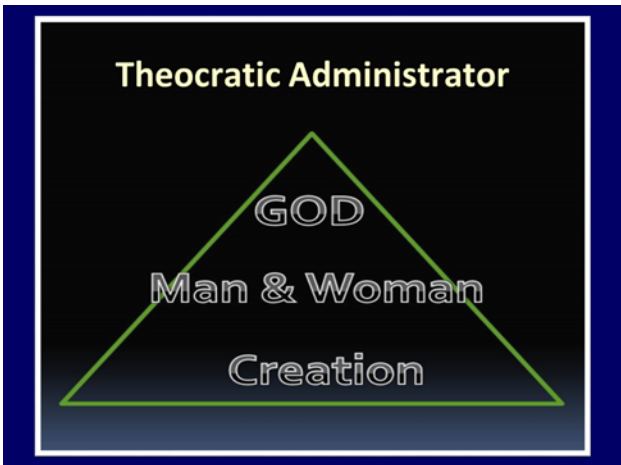
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**The Eternal State**  
Rev. 21-22

1. After Theocratic Administrator Restoration
2. **New Creation & Not Renovation**
3. Eternal State's Literal Nature
4. Continuation of the Davidic Throne
5. Eternal State's Description




---

---

---

---

---


---

---

---

**2. New Creation & Not Renovation**

- A. Sin's contamination of the present world
- B. Peter's description (2 Peter 3:7, 10-11, 13)
- C. Topographical changes
- D. *apérchomai* (Rev. 21:1, 4)
- E. Analogy with the flood?




---

---

---

---

---

---

---

---

**The Eternal State**  
Rev. 21-22

1. After Theocratic Administrator Restoration
2. New Creation & Not Renovation
3. **Eternal State's Literal Nature**
4. Continuation of the Davidic Throne
5. Eternal State's Description




---

---

---

---

---

---

---

---

3. The Eternal State's Literal Nature			
1. "river"	(22:1)	8. "seventy-two yards"	(21:17)
2. "city," "Jerusalem"	(21:2)	9. "gold," "jasper," "glass," "wall"	(21:18)
3. "high"	(21:12)	10. "pearls"	(21:21)
4. "gates"	(21:12)	11. "street"	(21:21)
5. "tribes"	(21:12)	12. "tree of life"	(22:2)
6. "foundations," "apostles"	(21:14)	13. "fruit," "month," "nations," "leaves"	(22:2)
7. "square," "miles"	(21:16)		

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**The Eternal State**  
Rev. 21-22

1. After Theocratic Administrator Restoration
2. New Creation & Not Renovation
3. Eternal State's Literal Nature
4. Continuation of the Davidic Throne
5. Eternal State's Description




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**2 Samuel 7:16**

Your house and your kingdom shall endure before Me forever; your throne shall be established **forever.**"




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 3:21**

“He who overcomes, I will grant to him to sit down with Me on My throne, as I also overcame and sat down with My Father on His throne.”




---

---

---

---

---

---

---

---

**Revelation 22:3**

“There will no longer be any curse; and the throne of God and of the Lamb will be in it, and His bond-servants will serve Him.”




---

---

---

---

---

---

---

---

**The Eternal State**  
Rev. 21-22

1. After Theocratic Administrator Restoration
2. New Creation & Not Renovation
3. Eternal State’s Literal Nature
4. Continuation of the Davidic Throne
5. Eternal State’s Description




---

---

---


---

---

---

---

---

**5. Eternal State's Description** 

- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State

---

---

---


---

---

---

---

---

**5. Eternal State's Description** 

- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State

---

---

---

---

---

---

---

---

Millennium Rev.20	Eternal State Rev.21-22
Sin restrained	Sin removed
Curse restrained	Curse removed
Death	No death
Mortals / resurrected	Resurrected only
Destinies undecided	Destinies sealed
Renovation	Recreation
Temporary	Eternal
Transitional	Non-transitional

---

---

---

---

---

---

---

---

Millennium and Eternal State		
	Rev 20:1-10	Rev 21-22
Time	20:4	22:5
Luminaries	Isa 30:26	21:23; 22:5
Temple	Ezek 40-48	21:22
Death	Isa 65:20	21:4
Satanic activity	20:7	20:10
Rebellion	20:8-9	21:27

---

---

---


---

---

---

---

---

**5. Eternal State's Description** 

- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State**
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State

---

---

---

---

---

---

---

---

**B. What Is Its Theological Significance?**

1. A reminder that evil is finite
2. Not a dispensation
3. Greater than the millennial kingdom




---

---

---

---

---

---

---

---



**B. What Is Its Theological Significance?**

1. A reminder that evil is finite
2. Not a dispensation
3. Greater than the millennial kingdom




---

---

---

---

---

---

---

---

**B. What Is Its Theological Significance?**

1. A reminder that evil is finite
2. Not a dispensation
3. Greater than the millennial kingdom




---

---

---

---

---

---

---

---

**Eden = Probationary Environment**

Eden (Genesis 1-2)	Eternal State (Rev 21-22)
Division: light/darkness 1:4	No night 21:25
Division: land/sea 1:10	No sea 21:1
Sun & moon 1:16	No sun & moon 21:23
Garden 2:8-9	City (21:2)
River flowing out of Eden 2:10	River flowing from throne 22:1
Gold in the land 2:12	Gold in the city 21:21
Tree of life in the middle of garden 2:9	Tree of life throughout city 22:2
Bdellium and onyx stone 2:12	All manner of stones 21:19
God walking in the garden 3:8	God dwelling with His people 21:3

Henry Morris, Genesis Record, p.33

---

---

---

---

---

---

---

---

### B. What Is Its Theological Significance?

- 1. A reminder that evil is finite
- 2. Not a dispensation
- 3. **Greater than the millennial kingdom**




---

---

---

---

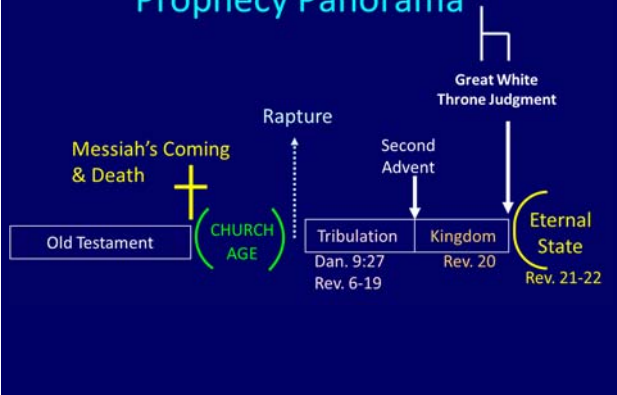
---

---

---

---

### Prophecy Panorama




---

---

---

---

---

---

---

---

### OT PROPHETS DESCRIBE THE KINGDOM

- 1. Established by God (Dan. 2:44)
- 2. Eternal (Dan. 7:27)
- 3. Christ's direct rule (Zech. 9:9-10)
- 4. Earthly (Zech. 14:9)
- 5. Land promises realized (Gen. 15:18-21)
- 6. Israel's preeminence (Isa. 49:22-23)
- 7. Millennial Temple (Ezek. 40-46)




---

---

---

---

---

---

---

---

OT PROPHETS DESCRIBE THE KINGDOM

- 8. Millennial David (Jer. 30:9)
- 9. Righteousness (Isa. 9:6-7)
- 10. Curse curtailed (Isa. 65:20, 22)
- 11. Peace (Isa. 2:4)
- 12. Prosperity (Amos 9:13-14; Isa 65:22)
- 13. Topographical changes (Ezek. 47:1-12)
- 14. Immediate answers to prayer (Isa. 65:24)




---

---

---

---

---

---

---

---

5. Eternal State's Description

- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State




---

---

---

---

---

---

---

---

Absent from the Eternal State

- 1) No Satan (Rev 20:10)
- 2) No sea (Rev 21:1)
- 3) No death, crying, or pain (Rev 21:4)
- 4) No Sun (Rev 22:5)
- 5) No Moon (Rev 21:23)
- 6) No temple (Rev. 21:22)
- 7) No night (Rev 21:25)
- 8) No evil (Rev 21:27)
- 9) No curse (Rev 22:3)




---

---

---

---

---

---

---

---

### Satan's Progressive Defeat

1. Initial eviction from heaven (Isa 14:12-15; Ezek 28:12-17)
2. Eden (Gen 3:15)
3. Pre-diluvian world (1 Pet 3:19-20)
4. Cross (John 12:31; 16:11; Col 2:15; Heb 2:14; 1 John 3:8)
5. Mid point of the Tribulation (Rev 12:9)
6. Beginning of millennium (Rev 20:2-3)
7. **End of millennium (Rev 20:10)**




---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation 21:4

“and He will wipe away every tear from their eyes; and there will no longer be any death; there will no longer be any mourning, or crying, or pain; the first things have passed away.”




---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation 21:4

“and He will wipe away every **tear** from their eyes; and there will no longer be any **death**; there will no longer be any **mourning**, or **crying**, or **pain**; the **first things** have passed away.”




---

---

---

---

---

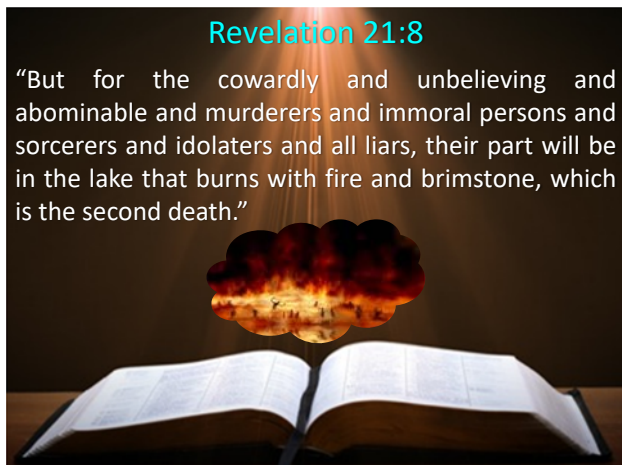
---

---

---

**Revelation 21:8**

“But for the cowardly and unbelieving and abominable and murderers and immoral persons and sorcerers and idolaters and all liars, their part will be in the lake that burns with fire and brimstone, which is the second death.”




---

---

---

---

---

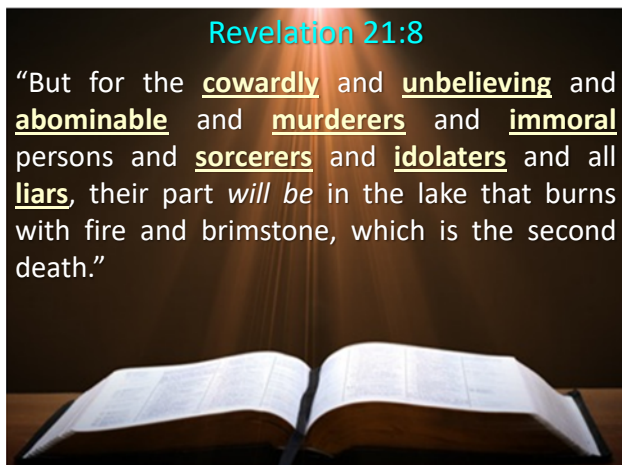
---

---

---

**Revelation 21:8**

“But for the cowardly and unbelieving and abominable and murderers and immoral persons and sorcerers and idolaters and all liars, their part *will be* in the lake that burns with fire and brimstone, which is the second death.”




---

---

---


---

---

---

---

---

**5. Eternal State's Description** 

- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State**
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State

---

---

---

---

---

---

---

---

D. What Will Be Present In It?

- 1. God's presence (Rev. 21:23)
- 2. God's glory (Rev. 21:23)
- 3. God's holiness (Rev. 21:27)
- 4. God's people (Heb. 12:22-23)
- 5. God's city (Rev. 21:2)




---

---

---

---

---

---

---

---

D. What Will Be Present In It?

- 1. God's presence (Rev. 21:23)
- 2. God's glory (Rev. 21:23)
- 3. God's holiness (Rev. 21:27)
- 4. **God's people (Heb. 12:22-23)**
- 5. God's city (Rev. 21:2)




---

---

---

---

---

---

---

---

Hebrews 12:22-23

<sup>22</sup> "But you have come to Mount Zion and to the city of the living God, the heavenly Jerusalem, and to myriads of angels, <sup>23</sup> to the general assembly and church of the firstborn who are enrolled in heaven, and to God, the Judge of all, and to the spirits of *the* righteous made perfect."




---

---

---

---

---


---

---

---

**Hebrews 12:22-23**

<sup>22</sup> “But you have come to Mount Zion and to the city of the living God, the heavenly Jerusalem, and to myriads of angels, <sup>23</sup> to the general assembly and church of the firstborn who are enrolled in heaven, and to God, the Judge of all, and to the spirits of the righteous made perfect.”




---

---

---

---

---

---

---

---

**D. What Will Be Present In It?**

1. God’s presence (Rev. 21:23)
2. God’s glory (Rev. 21:23)
3. God’s holiness (Rev. 21:27)
4. God’s people (Heb. 12:22-23)
5. God’s city (Rev. 21:2)




---

---

---

---

---

---

---

---

**5. God’s City**

- a) Its existence (Rev 21:2)
- b) Its name (Rev 21:2)
- c) Its dimensions (Rev. 21:16)
- d) Its wall (Rev 21:12, 16-17)
- e) Its gates (Rev 21:12)
- f) Its foundation stones (Rev. 21:14)




---

---

---

---

---

---

---

---

5. God's City

- a) Its existence (Rev 21:2)
- b) Its name (Rev 21:2)
- c) Its dimensions (Rev. 21:16)
- d) Its wall (Rev 21:12, 16-17)
- e) Its gates (Rev 21:12)
- f) Its foundation stones (Rev. 21:14)




---

---

---

---

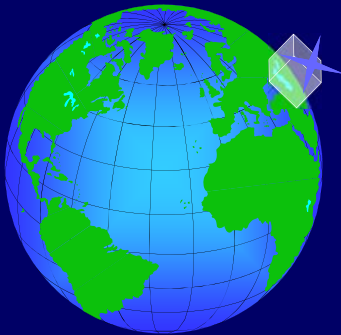
---

---

---

---

Jerusalem Descending




---

---

---

---

---

---

---

---

5. God's City

- 1. Its existence (Rev 21:2)
- 2. Its name (Rev 21:2)
- 3. Its dimensions (Rev. 21:16)
- 4. Its wall (Rev 21:12, 16-17)
- 5. Its gates (Rev 21:12)
- 6. Its foundation stones (Rev. 21:14)




---

---

---

---

---

---

---

---



### 5. God's City

- 1. Its existence (Rev 21:2)
- 2. Its name (Rev 21:2)
- 3. **Its dimensions (Rev. 21:16)**
- 4. Its wall (Rev 21:12, 16-17)
- 5. Its gates (Rev 21:12)
- 6. Its foundation stones (Rev. 21:14)




---

---

---

---

---

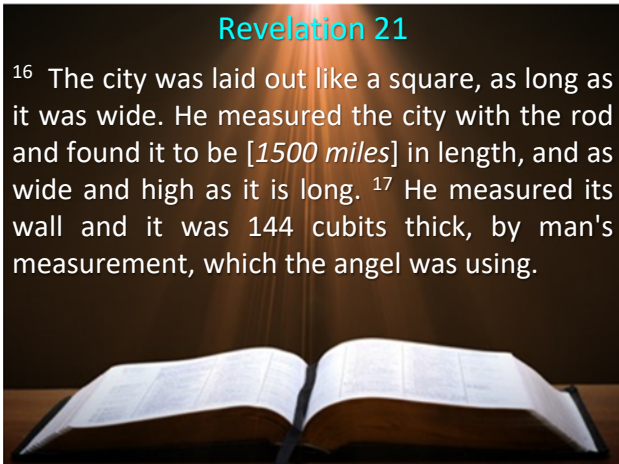
---

---

---

### Revelation 21

<sup>16</sup> The city was laid out like a square, as long as it was wide. He measured the city with the rod and found it to be [1500 miles] in length, and as wide and high as it is long. <sup>17</sup> He measured its wall and it was 144 cubits thick, by man's measurement, which the angel was using.




---

---

---

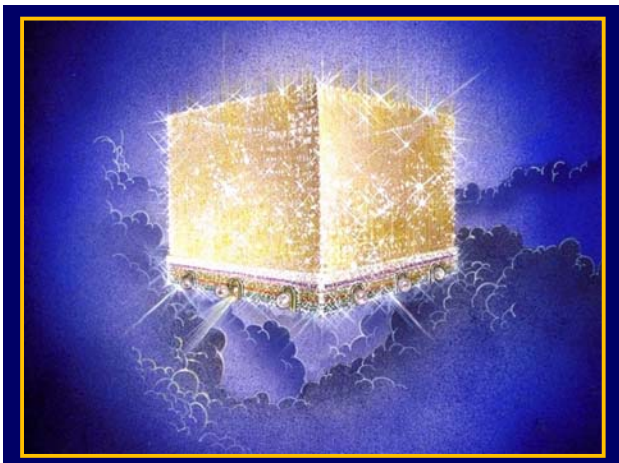
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**Paul Lee Tan**  
 Cited in, *The Interpretation of Prophecy*  
 (Winona Lake, IN: BMH, 1974), 285-86.

- ◆ **Swete:** "Such dimensions defy imagination and are permissible only in the language of symbolism."
- ◆ **Barnes:** "Of course, this must preclude all idea of there being such a city literally in Palestine...this cannot be understood literally; and **the very idea of a literal fulfillment of this shows the absurdity of that method of interpretation...this cannot be taken literally;** and an attempt to explain all of this literally would show that that method of interpreting the Apocalypse is impracticable."

---

---

---

---

---

---

---

---

**Paul Lee Tan**  
 Cited in, *The Interpretation of Prophecy*  
 (Winona Lake, IN: BMH, 1974), 285-86.

3. **Grant:** "no clearer proof...that all is figurative. Such a height is simply out of harmony with the constitution of our world."
4. **Boettner:** "Neither the shape nor the dimensions of the city can be taken with mathematical exactness, as if it were a gigantic apartment house."

---

---

---

---

---

---

---

---



David L. Cooper

*The World's Greatest Library Graphically Illustrated* (Los Angeles: Biblical Research Society, 1970), 11.

“When the **plain sense** of Scripture makes common sense, seek no other sense; therefore, take every word at its primary, **ordinary, usual, literal** meaning unless the facts of the immediate context, studied in light of related passages and axiomatic and fundamental truths, indicate clearly otherwise.”

---

---

---

---

---

---

---

---

“When the plain sense makes good sense seek no other sense lest you wind up with nonsense.”



---

---

---

---

---

---

---

---

“He (or she) who spiritualizes tells spiritual lies.”

---

---

---

---

---

---

---

---

5. God's City

- a) Its existence (Rev 21:2)
- b) Its name (Rev 21:2)
- c) Its dimensions (Rev. 21:16)
- d) **Its wall (Rev 21:12, 16-17)**
- e) Its gates (Rev 21:12)
- f) Its foundation stones (Rev. 21:14)




---

---

---

---

---

---

---

---

Revelation 21

<sup>16</sup> The city was laid out like a square, as long as it was wide. He measured the city with the rod and found it to be [1500 miles] in length, and as wide and high as it is long. <sup>17</sup> He measured its wall and it was 144 cubits thick, by man's measurement, which the angel was using.




---

---

---

---

---

---

---

---

5. God's City

- a) Its existence (Rev 21:2)
- b) Its name (Rev 21:2)
- c) Its dimensions (Rev. 21:16)
- d) Its wall (Rev 21:12, 16-17)
- e) **Its gates (Rev 21:12)**
- f) Its foundation stones (Rev. 21:14)




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**5. God's City**

- a) Its existence (Rev 21:2)
- b) Its name (Rev 21:2)
- c) Its dimensions (Rev. 21:16)
- d) Its wall (Rev 21:12, 16-17)
- e) Its gates (Rev 21:12)
- f) **Its foundation stones (Rev. 21:14)**

---

---

---

---

---

---

---

---

**Ephesians 2:20**

“having been built on the foundation of the apostles and prophets, Christ Jesus Himself being the corner *stone*.”





---

---

---

---

---

---

---

---

**5. God’s City**

- g) Its influence
- h) Its character (Rev. 21:2)
- i) Its glory (Rev. 21:11)
- j) Its colors (Rev 21:18-21)
- k) Its street (Rev 21:21)
- l) Its water of life (Rev. 22:1)
- m) Its tree of life (Rev. 22:2)




---

---

---

---

---

---

---

---

**5. God’s City**

- g) Its influence
- h) Its character (Rev. 21:2)
- i) Its glory (Rev. 21:11)
- j) **Its colors (Rev 21:18-21)**
- k) Its street (Rev 21:21)
- l) Its water of life (Rev. 22:1)
- m) Its tree of life (Rev. 22:2)




---

---

---

---

---

---

---

---






---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**5. God's City**

- g) Its influence
- h) Its character (Rev. 21:2)
- i) Its glory (Rev. 21:11)
- j) Its colors (Rev 21:18-21)
- k) Its street (Rev 21:21)**
- l) Its water of life (Rev. 22:1)
- m) Its tree of life (Rev. 22:2)




---

---

---

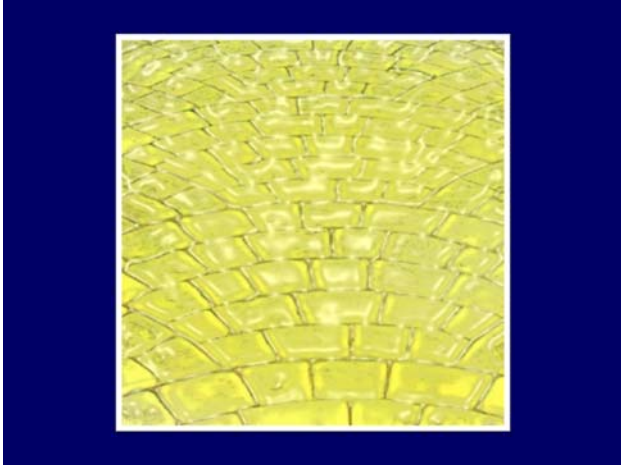
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**David L. Turner**

*"The New Jerusalem in Revelation 21:1-22:5; Consummation of a Biblical Continuum," Dispensationalism, Israel, and the Church, ed., Craig A. Blaising and Darrell L. Bock (Grand Rapids: Zondervan, 1992), 277.*

"Perhaps the absence of oysters large enough to produce such pearls and the absence of sufficient gold to pave such a city (viewed literally 1380 miles squared and high) is viewed as sufficient reason not to take these images as fully literal!...the preceding discussion serves to warn against a 'hyper-literal' approach to apocalyptic imagery...."

---

---

---

---

---

---

---

---



### 5. Eternal State's Description



- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State

---

---

---

---

---

---

---

---

### E. What Will Life Be Like In It?

- 1) Fellowship (Rev. 21:3)
- 2) Service (Rev. 22:3)
- 3) Fulfillment (Rev. 22:17)
- 4) Satisfaction (Rev. 7:16-17)
- 5) Rest (Rev. 14:13)
- 6) Knowledge (1 Cor. 13:12)




---

---

---

---

---

---

---

---

### E. What Will Life Be Like In It?

- 1) Fellowship (Rev. 21:3)
- 2) Service (Rev. 22:3)
- 3) Fulfillment (Rev. 22:17)
- 4) Satisfaction (Rev. 7:16-17)
- 5) Rest (Rev. 14:13)
- 6) Knowledge (1 Cor. 13:12)




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

E. What Will Life Be Like In It?

- 1) Fellowship (Rev. 21:3)
- 2) Service (Rev. 22:3)
- 3) **Fulfillment (Rev. 22:17)**
- 4) Satisfaction (Rev. 7:16-17)
- 5) Rest (Rev. 14:13)
- 6) Knowledge (1 Cor. 13:12)




---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

**E. What Will Life Be Like In It?**

- 1) Fellowship (Rev. 21:3)
- 2) Service (Rev. 22:3)
- 3) Fulfillment (Rev. 22:17)
- 4) Satisfaction (Rev. 7:16-17)
- 5) Rest (Rev. 14:13)
- 6) Knowledge (1 Cor. 13:12)




---

---

---

---

---

---

---

---

**E. What Will Life Be Like In It?**

- 1) Fellowship (Rev. 21:3)
- 2) Service (Rev. 22:3)
- 3) Fulfillment (Rev. 22:17)
- 4) Satisfaction (Rev. 7:16-17)
- 5) **Rest (Rev. 14:13)**
- 6) Knowledge (1 Cor. 13:12)




---

---

---

---

---

---

---

---

**Peaceful**




---

---

---

---

---

---

---

---

### E. What Will Life Be Like In It?

- 1) Fellowship (Rev. 21:3)
- 2) Service (Rev. 22:3)
- 3) Fulfillment (Rev. 22:17)
- 4) Satisfaction (Rev. 7:16-17)
- 5) Rest (Rev. 14:13)
- 6) Knowledge (1 Cor. 13:12)




---

---

---

---

---

---

---

---

## Heaven

Q: Will we know everything there?

$$E=MC^2$$




---

---

---

---

---

---

---

---

### E. What Will Life Be Like In It?

- 7) Ruling and reigning (Rev. 22:5)
- 8) Worship (Rev. 7:11-12)
- 9) In a glorified body (1 Cor. 15:42-44)
- 10) No consequences of sin (Rev. 22:2)
- 11) Eternal (Rev. 22:2, 5)




---

---

---

---

---

---

---

---

E. What Will Life Be Like In It?

- 7) Ruling and reigning (Rev. 22:5)
- 8) **Worship (Rev. 7:11-12)**
- 9) In a glorified body (1 Cor. 15:42-44)
- 10) No consequences of sin (Rev. 22:2)
- 11) Eternal (Rev. 22:2, 5)




---

---

---

---

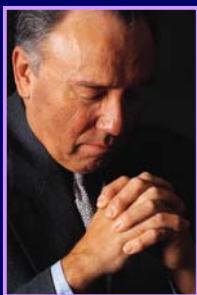
---

---

---

---

Worship




---

---

---

---

---

---

---

---

E. What Will Life Be Like In It?

- 7) Ruling and reigning (Rev. 22:5)
- 8) Worship (Rev. 7:11-12)
- 9) **In a glorified body (1 Cor. 15:42-44)**
- 10) No consequences of sin (Rev. 22:2)
- 11) Eternal (Rev. 22:2, 5)




---

---

---

---

---

---

---

---

# Heaven

Q: Will we have bodies in Heaven?


or


---

---

---

---

---

---

---

---

Differences Between the Earthly and Heavenly Bodies (15:42-44)	
Earthly Body	Heavenly Body
Weak	Powerful
Perishable	Imperishable
Lowly	Glorious
Natural	Spiritual

---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

E. What Will Life Be Like In It?

- 7) Ruling and reigning (Rev. 22:5)
- 8) Worship (Rev. 7:11-12)
- 9) In a glorified body (1 Cor. 15:42-44)
- 10) **No consequences of sin (Rev. 22:2)**
- 11) **Eternal (Rev. 22:2, 5)**




---

---

---

---

---

---

---

---

God's Doctrine of Nations

Since Babel	Deut. 32:8; Acts 17:26
Millennium	Isaiah 2:4; 66:18; Zech. 14:16-18 Rev.12:5; 20:3
Eternal State	Rev. 21:24, 26

---

---

---

---

---

---

---

---

E. What Will Life Be Like In It?

- 7) Ruling and reigning (Rev. 22:5)
- 8) Worship (Rev. 7:11-12)
- 9) In a glorified body (1 Cor. 15:42-44)
- 10) No consequences of sin (Rev. 22:2)
- 11) **Eternal (Rev. 22:2, 5)**




---

---

---

---

---

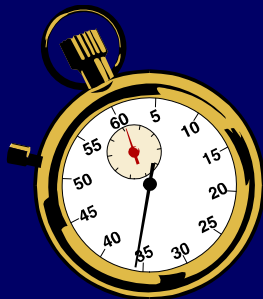
---

---

---

# Heaven

Q: Will there be time in Heaven?



---

---

---

---

---

---

---

---

## 5. Eternal State's Description



- A. Different than the Millennial Kingdom
- B. Significance of the Eternal State
- C. Things absent from the Eternal State
- D. Things present in the Eternal State
- E. Life in the Eternal State
- F. Admission into the Eternal State

---

---

---

---

---

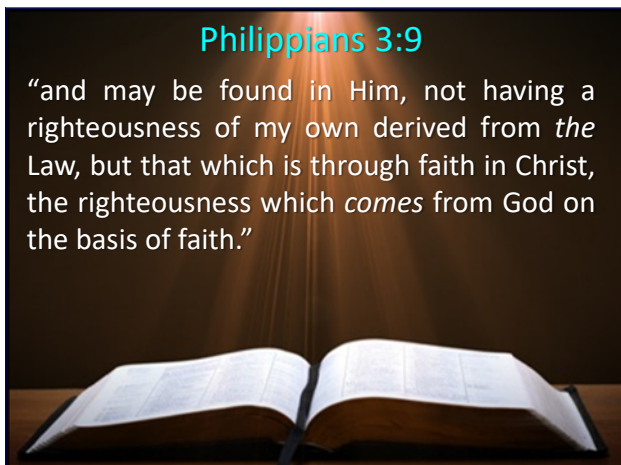
---

---

---

## Philippians 3:9

“and may be found in Him, not having a righteousness of my own derived from *the* Law, but that which is through faith in Christ, the righteousness which *comes* from God on the basis of faith.”



---

---

---

---

---

---

---

---



# Conclusion

---

---

---

---

---

---

---

---

- ## The Eternal State
1. After Theocratic Administrator Restoration
  2. New Creation & Not Renovation
  3. Eternal State's Literal Nature
  4. Continuation of the Davidic Throne
  5. Eternal State's Description




---

---

---

---

---

---

---

---